[This question paper contains **6** printed pages.]

Your Roll No. .....

3416 **B**

LL.B.

V Term

Paper LB-502 – JURISPRUDENCE – I (NC)

(Theory of Law)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer any *Five* questions.

All quesions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. (*a*) Elaborate Austin's distinction between positive morality and laws properly so-called. 10

(*b*) Critically examine Austin's theory of sovereignty and its relevance in India today. 10

[P. T. O.

(*a*) उचित तौर पर तथाकथित निश्चयात्मक नैतिकता और विधियों के बीच ऑस्टिन के विभेद का सविस्तार उल्लेख कीजिए।

(*b*) ऑस्टिन के प्रभुता सिद्धान्त की और आज के भारत में इसकी प्रासंगिकता की समीक्षात्मक जाँच कीजिए।

2. (*a*) Distinguish between Kelsen's use of the terms 'validity' and 'effectiveness'. 10

(*b*) Critically examine why Kelsen considers the legal order to be a coercive order. How does he distinguish between a legal community and a gang of robbers? 10

(*a*) 'विधि-मान्यता' तथा 'प्रभाविता' शब्दों के केल्सन के प्रयोग के बीच विभेद कीजिए।

(*b*) समीक्षात्मक जाँच कीजिए कि केल्सन विधिक आदेश को प्रपीड़क आदेश क्यों समझता है? वह विधिक समुदाय तथा लुटेरों की टोली के बीच किस प्रकार विभेद करता है?

3. Why does Hart consider a legal system to be a union of primary and secondary rules? 20

हार्ट किसी विधिक पद्धति को प्राथमिक तथा द्वितीयक नियमों का संघ क्यों समझता है?

4. (*a*) Historically has the movement of progressive societies always been from that of status to contract. Examine with reference to the development of law in India. 10

(*b*) In your opinion, should modern law always reflect the "spirit of the people" in order to be valid. 10

(*a*) ऐतिहासिकत: प्रगतिशील समाजों का संचलन सदैव प्रास्थिति से संविदा की ओर रहा है। भारत में विधि के विकास के सन्दर्भ में जाँच कीजिए।

(*b*) आपकी राय में क्या आधुनिक विधि को वैध होने के लिए सदैव "जन भावना" का प्रतिबिम्बित करना चाहिए।

5. Describe Roscoe Pound's theory of 'balancing of interests' and 'social engineering'. In your opinion does his theory have practical applicability in a country like India? Discuss. 20

रॉस्को पाउन्ड के "हितों का सन्तुलन करने" और सामाजिक 'इंजीनियरी' के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। आपकी राय में, क्या भारत जैसे देश में उसके सिद्धान्त की व्यावहारिक अनुप्रयोज्यता है? विवेचन कीजिए।

6. Due to the outbreak of a highly infectious and incurable viral disease within a hospital, the authorities decide to set fire immediately to the entire premises killing all the inmates as the only way to immediately stop the outbreak of a major epidemic.

The Officers responsible for taking this decision are jointly charged with the murders of all the inmates of the hospital.

Based on your reading of Professor Lon Fuller's Speluncean Explorer's case, decide the case on the above-mentioned facts bringing out clearly the reasons for your decision and your understanding of the nature and function of law in society. 20

किसी अस्पताल में एक उच्च संक्रामक तथा असाध्य वायरल रोग के प्रकोप के कारण अधिकारीगण विकराल महामारी के प्रकोप को तत्काल रोकने के लिए एकमात्र उपाय के रूप में सभी अंत:वासियों की मृत्यु करते हुए सम्पूर्ण परिसर में आग लगा देते हैं।

इस विनिश्चय को करने के उत्तरदायी अधिकारियों पर अस्पताल के सभी अन्त:वासियों की हत्या करने का संयुक्त आरोप लगाया जाता है।

प्रोफेसर लॉन फुलर के स्पेलनसियन एक्सप्लोरर के केस के अपने अनुशीलन को आधार बनाते हुए उपर्युक्त तथ्यों पर विनिश्चय

कीजिए जिसमें आपके विनिश्चय हेतु कारणों को तथा समाज में विधि की प्रकृति व प्रकार्य की आपकी समझबूझ को स्पष्ट रूप में व्यक्त किया गया हो।

7. Elucidate John Rawl's conception of justice as fairness. Do you consider that a theory of law must be just and have a minimum moral content in order to be valid? Discuss in light of development of the law in the past hundred years. 20

जॉन रावल की औचित्यरूपी न्याय की संकल्पना की विशद व्याख्या कीजिए। क्या आप समझते हैं कि विधि के सिद्धान्त को विधिमान्य बनाने के लिए उसे औचित्यपूर्ण होना तथा उसमें नैतिकता का न्यूनतम अंश होना आवश्यक है? गत 100 वर्षों में विधि के विकास को ध्यान में रखते हुए विवेचन कीजिए।

8. Write short notes on *any two* : 10+10

(*a*) External and internal aspect of rules;

(*b*) Dworkin's distinction between legal principles and legal rules;

(*c*) Anthropological approach to the study of law.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*a*) नियमों का बाह्य तथा आन्तरिक पक्ष;

(*b*) विधिक सिद्धान्तों तथा विधिक नियमों के बीच वर्किन का विभेद;

(*c*) विधि के अध्ययन के प्रति मानवविज्ञानीय अभिगम।